सन्मार्ग

Text View Image View Comments Email

सुषमा त्रिपाठी

कोलकाता : दिन : मंगलवार /स्थान : अजयनगर मोड़/ समय : सुबह 7 बजे। पोइला बैसाख यानी बंगला नववर्ष का मौका है लोगों में काफी उत्साह है। जादवपुर लोकसभा क्षेत्र के तृणमूल प्रत्याशी सुगत बसु की पदयात्र की तैयारी शुरू हो गयी है।

सड़क के दोनों किनारों पर तृणमूल के झंडे लगे हैं, पुलिस तैनात है और तृणमूल समर्थक अजयनगर मोड़ पर एकत्रित हो रहे हैं और एक दूसरे को नववर्ष की बधाई दे रहे हैं। थोड़ी देर में एक पार्टी कार्यकर्ता पार्टी के झंडे और और फ्लेक्स एक कार में लिए आ रहे हैं। कुछ युवतियां और महिलाएं भी सफेद जमीन पर पार्टी के जोड़ा फूल निशान वाली साड़ी और पुरुष जोड़ाफूल वाली टोपियां पहने पार्टी प्रत्याशी सुगत बसु व अन्य नेताओं का इंतजार कर रहे हैं। एक कार्यकर्ता प्रचार के लिए समर्थकों को निर्देश दे रहा है।

समय : सुबह 8.10 : राज्य के विद्युत मंत्री तथा स्थानीय विधायक मनीष गुप्त व पार्टी के अन्य स्थानीय नेता पदयात्र स्थल पर पहुंचकर तैयारियों का जायजा लेने के लिए आगे बढ़ जाते हैं। पुलिस और पार्टी समर्थकों की भीड़ बढ़ने लगी है।

चुनाव आयोग ने मोटरसाइकिल रैली पर पाबंदी लगा दी है मगर इनकी जगह लेने के लिए साइकिलें मौजूद हैं। कई समर्थक पार्टी का झंडा साइकिलों में लगाकर पदयात्र में हिस्सा लेने के लिए तैयार हैं। अब महिलाएं पदयात्र के लिए आगे बढ़ चुकी हैं। उनके समर्थक नववर्ष के लिए खास तौर पर तैयार शुभकामना पत्र हर किसी को बांट रहे हैं।

समय : सुबह 8.30 बजे : सुगत बसु अपनी कार से पहुंच चुके हैं। गहरे नीले रंग की धारियों वाला कुरता व पायजामा और सुनहरे फ्रेम के चश्मे में वह काफी सौम्य लग रहे हैं। अब अपने समर्थकों के साथ वे हरे रंग की जीप में खड़े हैं और अपने समर्थकों को नववर्ष की शुभकामना दे रहे हैं। समर्थकों ने फूलों का हार पहनाकर उनका स्वागत किया और बसु सभी को हाथ जोड़कर, हंसकर अभिवादन का जवाब देते हैं। मनीष गुप्त व अन्य नेता आगे हैं और पीछे सुगत बसु की जीप, दोनों रवाना हो चुके हैं। पीछे युवा कार्यकर्ता हिदायत के मुताबिक सुगत बसु से दूरी बनाकर चलते हैं जिससे लोग प्रत्याशी का चेहरा देख सकें।

सुबह 9 बजे : मुकुंदपुर इलाके में एक मंदिर पड़ता है जहां हनुमान जयंती मनायी जा रही है। यहां के पुजारी बसु को प्रसाद देते हैं और उनका स्वागत करते हैं, काफिला यहां से आगे बढ़ जाता है। सूरज सिर पर चढ़

आया है, गर्मी तेज बढ़ गयी है और नेता से लेकर समर्थक तक सभी पसीने से तरबतर हो चुके हैं मगर उनके कदम नहीं थके हैं। रास्ते में एक रिक्शा चालक सुगत बसु को कहता है कि 'दादा आपनि एक लाख वोटे जीतबेन।' बसु तुरंत जवाब देते हैं 'निश्चोई, आपनार आशीबदि।'

समय : सुबह 9.30 बजे : काफी देर तक जीप चलती है और उसे मुकुंदपुर इलाके में एक तालाब के पास खड़ा करके उसमें पानी डालकर ठंडा किया जाता है और जीप चल पड़ती है। जीप जहां से गुजरती है लोग हाथ हिलाकर या जोड़कर सुगत बसु के अभिवादन का जवाब देते हैं। जादवपुर की सांसद रह चुकीं अपनी मां कृष्णा बसु की याद दिलाकर लोगों से अपने साथ तृणमूल के अन्य प्रत्याशियों के लिए भी वोट मांगना नहीं भूलते। वे आश्वासन देते हैं कि जीतने पर वे इस क्षेत्र के साथ राज्य के विकास के लिए भी काम करेंगे।

सुबह 10 बजे : मनीष गुप्त के कहने पर रैली न्यू गरिया के निकट खत्म कर दी जाती है। इतनी गर्मी में प्रचार करना. बसु कहते हैं कि मुझे इसकी आदत है। यह तो शहर है मगर गांवों में लोग कड़ी धूप में भी ऐसे ही काम करते हैं। अपने शोधकार्य के दौरान गांवों में जाकर ऐसे ही काम करता था इसलिए मुझे कोई परेशानी नहीं होती। इसके बाद शाम को भी पदयात्र है, बसु अपनी कार में इसकी तैयारी करने के लिए रवाना हो जाते हैं।

निकटतम प्रतिद्वंद्वी : निश्चित रूप से माकपा, किसी और पार्टी को यहां पर वोट नहीं मिलेंगे। दीवार लेखन को लेकर लग रहे आरोपों पर वे कहते हैं कि दीवार लेखन के पहले हमारे समर्थकों ने हर घर में लिखित तौर पर अनुमति ली है। मुझे उम्मीद है कि मैं भारी मतों से जीतूंगा।

समस्या - यहां के हर इलाके की समस्याएं अलग - अलग हैं और मैं सही को सुलझाना चाहता हूं। पेयजल, सड़क, स्वास्थ्य संबंधी कई तरह की समस्याएं हैं जिनको दूर करना जरूरी है।

प्राथमिकता - मेरी सबसे बड़ी प्राथमिकता शिक्षा व्यवस्था में सुधार लाना है। उच्च शिक्षा से जुड़ा हूं मगर मैं सबसे पहले प्राथमिक स्तर पर शिक्षा में सुधार लाने के लिए काम करना चाहूंगा। हम राज्य के विश्वविद्यालयों के लिए काम करेंगे।

सेहत और पसंद - गर्मी में खूब पानी पीता हूं जिससे शरीर में पानी की कमी न हो। खानपान में थोड़ा संतुलन बनाकर चलना पड़ता है। खाली समय में संगीत सुनना और किताबें पढ़ना पसंद है।